

rekhtabooks

<u>"दीवान-ए-ग़ालिब: सरीर-ए-ख़ामा" :</u>

शायरी प्रेमियों के लिए नए आकाश खोलती हुई किताब

नई दिल्ली, अक्तूबर 09, 2021: मिर्ज़ा ग़ालिब की शायरी को उन लोगों के लिए सुलभ और समझने योग्य बनाने के लिए, जो इसे मूल लिपि में पढ़ने-समझने में असमर्थ हैं, श्री नजीब जंग, दिल्ली के पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर, ने ग़ालिब के उर्दू कलाम के संग्रह का अंग्रेजी में अनुवाद किया है और इसे एक पुस्तक के रूप में संकलित किया है जिसका शीर्षक 'दीवान-ए-ग़ालिब: सरीर-ए-खामा' है। पुस्तक का प्रकाशन रेख़्ता बुक्स के द्वारा किया गया है।

पुस्तक का विमोचन <u>प्रोफ़ेसर ख़ालिद महमूद</u>, किव, लेखक और दिल्ली उर्दू अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष और श्री संजीव सराफ, अध्यक्ष, पॉलीप्लेक्स कॉपोरेशन लिमिटेड और संस्थापक, रेख़्ता फाउंडेशन द्वारा किया गया था। गालिब के शेर सुनाते हुए, "पूछते हैं वो के ग़ालिब कौन है, कोई बटलाओं के हम बतायें क्या" <u>श्री नजीब जंग</u> ने कहा, "ग़ालिब की कृतियों को उन दर्शकों के सामने लाना एक सपना था जिसने उनकी ग़ज़लें सुनीं, उनकी लय को पसंद किया लेकिन शब्दावली में सीमाओं के कारण सुंदरता, रहस्यवाद, समृद्धि, उनके काम का प्रतीकवाद का पूरा स्वाद नहीं मिला। मैं 50 साल तक इस सपने के साथ रहा, और आज आशा करता हूँ कि यह काम उन्हें उन बड़े दर्शकों के करीब लाएगा जो उन्हें और जानने के लिए तरस रहे हैं। एक तरह से, यह पिछले एक दशक में रेख़्ता द्वारा किए जा रहे महान कार्य का विस्तार है।"

नजीब जंग को उनकी पुस्तक पर बधाई देते हुए, <u>श्री संजीव सराफ़</u> ने जंग की साहित्य के प्रति उनके जुनून, उनकी भावनात्मक गहराई और सौंदर्य संबंधी संवेदनाओं के लिए प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ग़ालिब को विशेष रूप से उर्दू काव्य जगत में साहित्यिक विरासत के शीर्ष पर रखा गया है। उन्होंने पुस्तक को ग़ालिब-प्रेमियों के साथ-साथ ग़ालिब की शायरी को बेहतर ढंग से समझने के इच्छुक लोगों के लिए "ज़रूरी" कहा। श्री सराफ़ ने बताया कि इस पुस्तक से प्राप्त होने वाली सारी आय साहित्य और भाषा के संरक्षण और प्रचार के मिशन को समर्थन देने के लिए रेख़्ता फाउंडेशन को दान कर दी जाएगी।

अपने विचार साझा करते हुए, कवि, लेखक और दिल्ली उर्दू अकादमी के पूर्व अध्यक्ष, <u>प्रो. ख़ालिद महमूद</u> ने कहा, "ग़ालिब और उनकी भावनाओं को समझना आसान नहीं है, लेकिन ग़ालिब के लिए यह सरासर समर्पण और प्यार है कि नजीब जंग ने प्रत्येक शब्द की गहरी समझ में गोता लगाया।" उन्होंने बताया कि जंग ने ग़ालिब की

REKHTA FOUNDATION

B-37, SECTOR-1, NOIDA 201301, INDIA +91 120 244 37 16/19 CONTACT@REKHTA.ORG www.rekhtabooks.com



rekhtabooks

शायरी की परतों का पता लगाने के लिए भारतीय इतिहास और पारंपिरक उर्दू शायरी का गहन अध्ययन किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पुस्तक नजीब जंग और ग़ालिब के बीच बातचीत का प्रतिनिधित्व करती है। इस अवसर पर पवन के. वर्मा, पूर्व सांसद और श्री महमूद फ़ारूक़ी, दास्तानगोई के निदेशक और कलाकार ने ग़ालिब के जीवन, इतिहास और शायरी के बारे में बताया।

पवन के. वर्मा साझा करते हैं, "ग़ालिब एक जटिल शायर हैं जहाँ उनके शेरों के अर्थ की कई तहें हैं। हालाँकि, पढ़ने के लिए और लोगों तक पहुँचने के लिए उनके काम का अनुवाद करने की सख्त आवश्यकता है क्योंकि उनके शेरों में बहुत सुंदरता, ज्ञान, अंतर्दृष्टि, धारणा और विचार समाहित हैं।" उन्होंने अनुवाद के काम की तुलना इत्र को एक बोतल से दूसरी बोतल में स्थानांतिरत करने की प्रक्रिया से की और उल्लेख किया कि सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, इस प्रक्रिया में कुछ इत्र वाष्पित हो जाता है। उन्होंने नजीब जंग की उनके सटीक और पिरप्रिक्ष्य अनुवाद कार्य के लिए प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने न केवल एक किव या एक भाषा बल्कि एक सभ्यता को पुनर्जीवित किया है।

इस कार्यक्रम में बिग बैंग थ्योरी श्रृंखला के प्रसिद्ध अभिनेता कुणाल नय्यर, किव और संस्कृति कार्यकर्ता अशोक वाजपेयी, मौलाना आजाद विश्वविद्यालय, जोधपुर के अध्यक्ष प्रो अख़्तरुल वासे सिहत कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया।

किसी भी अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें।

प्रीति गौर, मो.: 98739-65379 । ई-मेल: preeti.gaur@rekhta.org

REKHTA FOUNDATION

B-37, SECTOR-1, NOIDA 201301, INDIA +91 120 244 37 16/19 CONTACT@REKHTA.ORG